



भारत का गज़ीपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 436]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, सितम्बर 6, 1984/भाद्र 15, 1906

No. 436] NEW DELHI, THURSDAY, SEPTEMBER 6, 1984/BHADRA 15, 1906

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

वित्त मंत्रालय
(राजस्व विभाग)
केन्द्रीय प्रत्यक्ष-कार्यालय

अधिसूचना
नई दिल्ली, 6 सितम्बर, 1984

आय-कर

का.प्रा 697 (अ)---आय-कर नियम, 1962 वा
ओर पंगोद्धेन करने के लिए कठिनव नियमों का निम्नलिखित
प्रारूप, जिसे केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर वोड़ आय-कर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) की धारा 295 द्वारा प्रश्न शक्तियों
का प्रयोग करने हुए, बनाना चाहता है, ऐसे सब व्यक्तियों
की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जाता है जिनके उनमें
प्रभावित होने की संभावना है। इसके द्वारा यह सूचना दी
जाती है कि नियमों के उक्त प्रारूप पर उस तरीके से जिसका
उस गज़ीपत्र की, जिसमें यह अधिसूचना प्रकाशित की जाती
है, प्रतियां जनता की उपलब्ध कर दी जाती है, ताम दिन की
अवधि की समीक्षा के पश्चात् विचार किया जाएगा।

ऐसे आक्षेपों और सुझावों पर, जो इस प्रकार विनिर्दिष्ट
अवधि की समाप्ति के पूर्व नियमों के उक्त प्रारूप की बायत
किसी व्यक्ति से प्राप्त होंगे, केन्द्रीय प्रत्यक्ष-कर वोड़ विचार
करेगा।

नियमों का प्रारूप

1. (1) इन नियमों का भौतिक नाम आय-कर (संशोधन) नियम, 1984 है।

(2) ये 1 अप्रैल 1985 को प्रवृत्त होंगे।

2. आय-कर नियम, 1962 में,—

(क) नियम 6 च के पश्चात्, निम्नलिखित उप-शीर्षक
ओर नियम अंकस्थापित किया जाएगा, अथवा—

“गणग—कारबार या वृत्ति चला रहे व्यक्तियों के लिए खाओं
की संपरीक्षा की रिपोर्टें।

6 छ : (1) धारा 44 क ख के अधीन प्रस्तुत किए जाने
के लिए अपेक्षित किसी व्यक्ति के लेखाओं की मपनीक्षा
की गिरणी—

(क) ऐसे व्यक्ति की दशा में जो कारबार चलता
है और जिसमें किसी अन्य विर्द्ध द्वारा या उसके

अधीन यह अपेक्षित है कि वह अपने लेखाओं की संपरीक्षा किसी लेखापाल से कराए प्रलूप सम्मा 3 ग्राम में होगी;

- (ब) ऐसे व्यक्ति की दशा में जो कारबार चलाता है किन्तु खण्ड (क) में निर्दिष्ट व्यक्ति नहीं हैं, प्रारूप संमा 3 ग्राम में होगी;
- (ग) ऐसे व्यक्ति की दशा में जो वृत्ति चलाता है, प्रारूप संमा 3 ग्राम में होगी।

(2) धारा 44 कख के अधीन प्रस्तुत की जाने के लिए अपेक्षित विशिष्टाएँ:—

- (क) ऐसे व्यक्ति की दशा में जो कारबार चलाता है, प्रारूप संमा 3 ग्राम में होगी।
- (ख) ऐसे व्यक्ति की दशा में जो बृद्धि चलाता है, प्रारूप संमा 3 ग्राम में होगी;
- (ग्र) उपांचाल 2 में, प्रारूप 3 ग्राम के पश्चात् निम्नलिखित प्रारूप अंतःस्थापित किए जाएंगे, अथवा:—

प्रारूप संमा 3 ग्राम

(नियम 6 छ (1) (क) देखिए)

किसी व्यक्ति के कारबार की लेखापाल द्वारा किसी विधि के अधीन लेखा परीक्षा की दशा में आय-कर अधिनियम, 1961 की धारा 44 कख के अधीन लेखापरीक्षा रिपोर्ट।

मैं रिपोर्ट करता हूँ कि* मैंने/मैसर्वे ने, जो चार्टर्ड लेखापाल, कंपनी लेखा परीक्षक है अधिनियम के उपबंधों के अनुसरण में (निर्धारिती का नाम और पता) (स्थायी खाता सं.) की कानूनी लेखापरीक्षा की थी। मैं* हम इसके साथ तारीख की अपनी लेखा-परीक्षा रिपोर्ट और तारीख को समाप्त होने वाले वर्ष के लेखापरीक्षा किए गए भाग और हानि लेखा की तथा लारीख को विद्यमान लेखापरीक्षा किए गए तुलनपत्र में से प्रत्येक की एक एक प्रति और वे दस्तावेज भी, जो सुमित्र अधिनियम द्वारा लाभ और हानि लेखा तथा तुलनपत्र के भाग के रूप में, या उसमें उपांचाल, घोषित किए गए हैं, संलग्न कर रहा हूँ।

एक अतिरिक्त फॉर्म, जैसी कि धारा 44 कख के परन्तुक के अधीन अपेक्षित, जो मैंने/मैसर्वे की लेखा पुस्तकों और अन्य दस्तावेजों से तैयार की है, इसमें उपांचाल प्रारूप संमा 3 ग्राम में प्रस्तुत है।

मेरी राय में भीर मेरी सर्वोत्तम जानकारी तथा मुझे दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार उक्त उपांचाल में दी गई विशिष्टियां सत्य और शीर्षक हैं।

स्थान
तारीख
.....

हस्ताक्षर
लेखापाल

टिप्पणी:—

*1. जो लागू नहीं हो उसे काट दीजिए।

2. जहाँ इस रिपोर्ट में कथित किसी विषय का उत्तर न दिया गया है या मरण है वहाँ रिपोर्ट में उसके कारण बताए जाएँगे।

**3. यह रिपोर्ट निम्नलिखित में से कोई देगा:—

(i) चार्टर्ड अकाउंटेंट अधिनियम, 1949 (1949 का 38) के ग्राम में कोई चार्टर्ड अकाउंटेंट; या

(ii) किसी राज्य के संबंध में कोई ऐसा व्यक्ति जो कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 236 की उपधारा (2) के उपबंधों के अधीन पर उस राज्य में रजिस्ट्रीकृत कंपनियों के लेखा-परीक्षक के रूप में कार्य करने के लिए नियुक्त किए जाने का हकदार है।

प्रारूप संमा 3 ग्राम

[नियम 6 छ (1) (ख) देखिए]

कारबार चला रहे व्यक्ति की दशा में, आय-कर अधिनियम, 1961 की धारा 44 कख के अधीन लेखा-परीक्षा रिपोर्ट

मैंने

(निर्धारिती का नाम और पता)

..... (स्थायी खाता सं.) की तारीख को विद्यमान तुलनपत्र और उस तारीख को भमात्त हां वर्ष के लाभ और हानि लेखा की जांच कर ली है। ये स्थित प्रधान कार्यालय और स्थित उसके शाखा कार्यालय में रखी गई लेखा पुस्तकों के अनुसार हैं।

मैंने ऐसी सभी जानकारी और स्पष्टीकरण प्राप्त कर लिए हैं जो मेरे सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अनुसार लेखा परीक्षा के प्रयोगत के लिए अवश्यक थे। मेरी राय में निर्धारिती के प्रधान कार्यालय और उसकी शाखाओं में, जहाँ तक यह वान लेखा पुस्तकों की मेरे द्वारा वीर गई जांच में प्राप्त होती है, उक्त लेखा पुस्तकों रखी गई है, उनके विषय में मेरी टिप्पणियां निम्नलिखित हैं:—

मेरी राय में भीर मेरी सर्वोत्तम जानकारी तथा मुझे दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार, उक्त लेखाओं से:—

(i) को विद्यमान तुलनपत्र की दशा में उपरिनामित निर्धारिती के काम्प्राज को; और

(ii) लाभ और हानि लेखा की दशा में को समाप्त होने वाले लेखा वर्ष के उपरिनामित निर्धारिती के लाभ या हानि की,

सही और उचित स्थित प्रकट होती है।

विहिन विशेषियों इनमें उपबद्ध प्रश्न सं० ३ अग्रभ्र प्रस्तुत हैं। मेरी राय में और मेरी सर्वोत्तम जानकारी या मुझे दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार ये सत्य और ठीक हैं।

स्थान

तारीख

हस्ताक्षर
लेखा पाल*

टिप्पणी:-

1. जहाँ इस रिपोर्ट में कथित किसी विषय का उत्तर नकारात्मक है या सशर्त है वहाँ रिपोर्ट में उसके कारण बताएँ जाएँ।

2.* यह रिपोर्ट निम्नलिखित में से कोई देगा:-

(i) चार्टर्ड अकाउंटेंट अधिनियम, 1949 (1949 का 38) के अर्थ में कोई चार्टर्ड अकाउंटेंट;

(ii) किसी राज्य के संबंध में, कोई ऐसा व्यक्ति जो कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 226 की उपधारा (2) के उपबंधों के आधार पर उस राज्य में रजिस्ट्री-कृत कंपनियों के लेखा-परीक्षक के रूप में कार्य करने के लिए नियुक्ति किए जाने का हकदार है।

प्रारूप सं० ३ ग

[नियम ९७(1) (ग) देखिए]

वृत्ति चलाने वाले व्यक्ति की दणा में, भाय-कर अधिनियम, 1961 की धारा 44 के अधीन लेना परीक्षा रिपोर्ट

मैंने

(निर्धारिती का नाम और पता)

(स्थायी खाता सं०) के तरोंख, को विद्यमान तुलनपत्र और उस तारीख की समाप्त हुए वर्ष के आय और व्ययों के विवरण की जांच कर ली है। ये, स्थित प्रधान कार्यालय और, स्थित उसके शाखा कार्यालय में रखी गई लेखा-पुस्तकों के अनुसूप हैं।

मैंने ऐसी सभी जानकारी और स्पष्टीकरण प्राप्त कर लिए हैं जो मेरे सर्वोत्तम ज्ञान और विविध के अनुसार लेखा-परीक्षा के प्रयोगन के लिए आवश्यक थे। मेरी राय में निर्धारिती के प्रधान कार्यालयों और उसकी शाखाओं में, यहाँ तक यह ब्रात लेखा-पुस्तकों की मेरे हारा की गई जांच से प्रकट होती है, उत्तिर लेखा-पुस्तकों रखी गई हैं। उनके विषय में मेरी टिप्पणी निम्नलिखित हैः—

मेरी राय में और मेरी गवर्नेंटम जानकारी नथा गुजे किए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार, उक्त लेखाओं में—

(i), को विद्यमान तुलनपत्र की दणा में, उपरिनामित निर्धारिती के काम-काज की,

(ii) लाभ और हानि लेखा की दणा में, को समाप्त हुमें वाली लेखा वर्ष के उपरिनामित निर्धारिती के लाभ या हानि की; सही और उचित स्थित प्रकट होती है।

विहिन विशेषियों इसमें उपबद्ध प्रश्न सं० ३ ग ड में प्रस्तुत है। मेरी राय में मेरी सर्वोत्तम जानकारी नथा गुजे किए गए स्पष्टीकरणों के ये अनुसार सत्य और ठीक हैं।

स्थान

तारीख

हस्ताक्षर
लेखा पाल

टिप्पणी:-

1. जहाँ इस रिपोर्ट में कथित किसी विषय का उत्तर नकारात्मक है या सशर्त है वहाँ रिपोर्ट में उसके कारण बताएँ जाएँ।

2. *यह रिपोर्ट निम्नलिखित में से कोई देगा:-

(i) चार्टर्ड अकाउंटेंट अधिनियम, 1949 (1949 का 38) के अर्थ में कोई चार्टर्ड अकाउंटेंट; या

(ii) किसी राज्य के संबंध में कोई ऐसा व्यक्ति जो कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 226 की उपधारा (2) के उपबंधों के आधार पर उस राज्य में रजिस्ट्री-कृत कंपनियों के लेखा-परीक्षक के रूप में कार्य करने के लिए नियुक्ति किए जाने का हकदार है।

प्रारूप सं० ३ ग

[67(2)(क) देखिए]

कारबार चलाने वाले किसी व्यक्ति की दणा में विशेषियों का कथान

1. रखी गई लेखापुस्तकें।

2. अपनाई गई लेखा पढ़ति।

बताएं कि क्या ठीक पूर्ववर्ती वर्ष में अपनाई गई लेखा पढ़ति में कोई परिवर्तन हुआ है।

3. (i) आदि और अन्य व्यापार स्टाक के मूल्यांकन की पढ़ति।

(ii) यदि पूर्ववर्त मदों में से किसी भद के मूल्यांकन की पढ़ति में पूर्व वर्ष के ठीक पहले वर्ष के दोरान अपनाई गई पढ़ति की तुलना में कोई परिवर्तन किया गया हो तो कथन करें।

(iii) यदि कारबार (ii) का उत्तर स्वीकारात्मक है तो उस पर परिवर्तन के कारण उस वर्ष में होने वाले लाभ या हानि का उल्लेख करें।

टिप्पणः माल के व्यवहारी की दशा में नीचे भद्र 12 में परिस्थित उत्पाद शीर्षक के नीचे विनिर्दिष्ट आधार पर परिमाणात्मक व्यारे दे ।

4. निर्धारिती द्वारा निम्नलिखित रूप में या उसके आधार पर उपगत व्यय की रकम—

- (i) काम और हानि लखे में से विकलित पूरीगत व्यय ।
- (ii) लाभ और हानि लखे में से विकलित व्यक्तिगत व्यय ।
- (iii) ऐसे माल, सेवाएँ या सुविधाओं की बाबत जिसका निर्धारिती व्यवहार करता है या जिसकी अपने कारबार के अनुक्रम में व्यवस्था करता है, भारत के बाहर विज्ञापन, प्रचार और विक्रय संबंधित किन्तु इसके अन्तर्गत नीचे भद्र (v)
- (vi) के अन्तर्गत अने वाला व्यय नहीं है ।
- (iv) अन्य विज्ञापन, प्रचार और विक्रय संबंधित ।
- (v) उपहार में दी गई या उपहार के लिए आणविक वस्तुएँ जहाँ प्रत्येक वस्तु पर व्यय 50 रुपए में अधिक है ।
- (vi) किसी राजनीतिक दल द्वारा प्रकाशित स्मारकों, विवरणिका, पुस्तिका, पेस्केट या ऐसे ही अन्य पत्रिकाओं में विज्ञापन ।
- (vii) ऐसे माल, सेवाओं या सुविधाओं की जिसका निर्धारिती व्यवहार करता है या जिसकी अपने कारबार के अनुक्रम में व्यवस्था करता है, भारत के बाहर विक्रय के संबंधित के लिए भारत के बाहर अनुसंधित किभी शाखा, कार्यालय या अधिकरण में मांटरकारों वा चालन और अनुरक्षण ।
- (viii) बायुयानों और मांटरकारों के चालन और अनुरक्षण पर अन्य व्यय जिसके अन्तर्गत किसी बायुयान का चार्टर करने पर या भाष्टे के लिए चलाई जानेवाली कारों को प्रयोग करने के लिए भाड़ा-प्रभारों पर या कर्मचारियों और निदेशकों को संदत्त भवारी भत्ते पर हानि वाला व्यय भी है ।

टिप्पणः (1) बायुयान के प्रचालन के कारबार में लगे हुए किसी व्यक्ति की दशा में ऐसे बायुयान के चालन और अनुरक्षण पर उपगत व्यय की बाबत जानकारी दिए जाने की आवश्यकता नहीं है ।

(2) भाड़े पर ली गई मांटरकारों के चालन के कारबार में लगे हुए किसी व्यक्ति की दशा में

ऐसी मांटर कार के चालन और अनुरक्षण पर उपगत व्यय की बाबत जानकारी दिए जाने की आवश्यकता नहीं है ।

- (ix) होटलों को किए गए संदाय ।
- (x) यात्रा जिसके अन्तर्गत विदेश यात्रा भी है । अधिकर नियम, 1962 के नियम 6वें में अधिकथित सीमाओं में अधिक व्यय अलग उपदर्शित करें और ऐसा व्यय किस प्रकार हुआ है, यह दर्शित करने हुए एक कथन संलग्न करें । विदेश यात्रा की दशा में व्यक्तियों के नामों की एक सूची भी संलग्न करें ।
- (xi) अर्तिथगृह के रूप में वास-स्थान का अनुरक्षण । अर्तिथगृह के रूप में प्रयुक्त भवन की बाबत और अर्तिथगृह में आन्तरिकों की बाबत अवधारण उपदर्शित करें । अर्तिथगृह का उपयोग करने वाले व्यक्तियों में प्राप्त रकम का भी उपदर्शित करें ।
- (xii) मनोरंजन (जिसके अन्तर्गत कर्मचारी या अन्य व्यक्ति को संदत्त मनोरंजन भत्ते की रकम भी है) ।
- (xiii) वैज्ञानिक अनुसंधान—पूरीगत प्रकार का व्यय अलग से उपदर्शित करें ।
- (xiv) कर्मचारी को दिए गए बंतस या कमीशन । किसी कारबाने में या किसी अन्य स्थापन में जिसका बोनस संदाय अधिनियम, 1965 के उपबन्ध लागू होते हैं, नियांजित किसी कर्मचारी को दी गई बोनस की बाबत, यह उपदर्शित करें । के दी गई बोनस उस अधिनियम के अधीन संदेय बालस की रकम में अधिक है ।
- (xv) बलबों को किए गए संदाय ।
- (xvi) धारा 80फक में अधिकथित सीमा से अधिक अधिकर अधिनियम, 1961 के अधीन किसी दायित्व के प्रबन्धारण में संबंधित किसी आधिकर प्राधिकरण या अपील अधिकरण या किसी न्यायालय के समक्ष लक्षित कोई कार्यवाही ।
5. जहाँ निर्धारिती कोई रूप है वहाँ कर्म के भागी-दारों को, ब्याज, बैतल, बोल्स, तमीशन या पारिश्रमिक के रूप में संदायों के व्यारे ।
6. धारा 40क में निर्दिष्ट व्यय के व्यारे :
- (क) धारा 40क(2)(ख) में विनिर्दिष्ट व्यक्तियों को किए गए सभी सदायों की विशिष्टियाँ ।
- (ख) 2,500 रुपए से अधिक के ऐसे मंदायों की विशिष्टियाँ जो रेखांकित चैक या रेखांकित बैंक ड्राफ्ट से अन्यथा किया गया हो—धारा 40क (3)

- (ग) ऐसे व्यय या भूतों की विशिष्टियां जो धारा 40क (5)(ग) में विनिर्दिष्ट सीमाओं से अधिक हैं।
- (घ) ऐसे व्यय की विशिष्टियां जो धारा 40क (6) में विनिर्दिष्ट सीमा से अधिक भूतपूर्व कर्मचारी की फीस और बेतन के रूप में उपगत किया गया हो।
- (ङ) उपदान के संदाय के लिए व्यवस्था-धारा 40क (7)
- (च) नियोजक के रूप में निर्धारिती द्वारा संदत्त राशि जो धारा 40क (9) के अधीन अनुशेय नहीं है।
7. (i) कोई कर, प्रुल्क या अन्य राशि जो लाभ और हानि लेखे में से विकलित की गई है किन्तु पूर्व वर्ष के दौरान मंदत्त नहीं की गई है—धारा 43ख
- (ii) पूर्व वर्ष के दौरान निर्धारिती द्वारा संदत्त करों, शुल्कों आदि के ब्यांजे।
- (iii) क्या मंद-प्राप्तों की संबंधित तारीखों और लेखा पुस्तक में की प्रविष्टियों में कोई अंतर पाया गया है? यदि हाँ तो उनकी विशिष्टियां दीजिए।
8. क्या कोई राशि जो हुंडी पर उधार ली गई है या उस पर देय कोई रकम (जिसके अन्तर्गत उधार ली गई रकम पर ब्याज भी है) किसी व्यक्ति को एकाउंट पेर्इ चैक के माध्यम से अन्यथा प्रतिसंदेस की गई है? यदि ऐसा है तो उसके ब्यांजे दीजिए।
9. (क) रीतित: उधारों/वादिसी राशियों (इकैक) सीमांशुल्क या उत्पाद-शुल्क या दोनों का प्रतिदाय/विक्रय कर के प्रतिदाय की विशिष्टियां। क्या इन्हें लाभ और हानि लेखे में जमा खाते में किया गया है?
- (ख) ऐसे व्ययों/पूर्ववर्ती वर्ष की आय की विशिष्टियां जो सुसंगत पूर्ववर्ष के लाभ-हानि लेखा में विकलित जमा खाते किए गए हैं।
- (ग) किसी ऐसे समात्रित प्रकृति के वायित्व की विशिष्टियां जो लाभ और हानि लेखा में से विकलित किया गया हो।
10. निर्धारिती द्वारा लिये गये या प्रतिगृहीत 10,000 रुपये या उससे अधिक के प्रत्येक उधार या निष्केप को विशिष्टियां निम्नलिखित रूप में:—
- (i) उधार देने वाले/निष्केपकर्ता का नाम और पता
- (ii) क्या रकम हुंडी पर उधार ली गई है?
- (iii) क्या वर्ष के दौरान उधार खाते का निपटारा हो गया है?
- (iv) वर्ष के दौरान किसी भी समय बकाया अधिकतम रकम,
- (v) क्या उधार/निष्केप नकद लिया गया था या प्रतिगृहीत किया गया था?
- (vi) क्या 10,000-रुपये या उससे अधिक का कोई उधार या निष्केप नकद प्रतिसंदेस किया गया है?
11. क्या निर्धारिती ने स्रोत पर कर की कटौती की है और इस प्रकार कटौती की गई राशि को केन्द्रीय सरकार के खाते में अध्याय 17—ख के उपबन्धों के अनुसार जमा करता है? यदि हाँ, तो ब्यांजे दीजिए।
12. विनिर्माता समृद्धान की दशा में—
- (1) कच्ची सामग्री और परिस्थिति उत्पाद की मुख्य मर्दों का निम्नलिखित रूप में पूर्ण परिमाणात्मक विवरण :
- कच्चा माल
- (क) आदि स्टाक
- (ख) वर्ष के दौरान क्रय
- (ग) वर्ष के दौरान उपभोग
- (घ) वर्ष के दौरान विक्रय
- (ङ) अन्त स्टाक
- (च) परिस्थिति उत्पादों की उत्पादन मात्रा।
- (छ) उत्पादन मात्रा की प्रतिशतता
- (ज) कमी
- तैयार माल :
- (क) आदि स्टाक
- (ख) वर्ष के दौरान क्रय
- (ग) वर्ष के दौरान विनिर्मित मात्रा
- (घ) वर्ष के दौरान विक्रय
- (ङ) वर्ष के अन्त में अन्त स्टाक
- (च) कमी और उसकी प्रतिशतता
- टिप्पण :—उत्पाद आदि कोई हो, की वादत पृथक परिमाणात्मक ब्यांजे उपरोक्त के अनुमार दीजिए।
13. कम्पनी की दशा में निम्नलिखित के ब्यांजे दीजिये—
- (i) कोई ऐसा व्यय जो प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप में (क) निदेशक को, (ख) एक ऐसे व्यक्ति को जिसका कम्पनी में तान्त्रिक हित है, और (ग) निदेशक या ऐसे व्यक्ति के किसी सम्बन्धी को पारिश्रमिक, फायदों या सुखमुखिया के रूप में हो,

(ii) कम्पनी की ग्राहितयों की बाबत कोई ऐसा व्यय या भत्ता जिसका पूर्णतः या भागतः उपर्योग ऊपर (1) में निर्दिष्ट व्यक्तियों में से किसी के कायदे के प्रयोजन के लिये किया गया हो, (ऐसा कोई व्यक्ति निर्धारिती का कर्मचारी है या नहीं, उल्लेख करें)।

(iii) ऐसे निक्षेपों पर व्याज की रकम जो धारा 40क(8) के अधीन अनुज्ञेय नहीं है।

प्रमुख सं 3गड़

[नियम 6(छ) (2)(ख) देखिए]

वृत्ति करने वाले किसी व्यक्ति की दशा में विशिष्टियों का कथन

1. रुद्धी गई लेखा पुस्तकें।

2. अपनाई गई लेखा पद्धति। बतायें कि क्या ठीक पूर्ववर्ती वर्ष में अपनाई गई लेखा पद्धति में कोई परिवर्तन हुआ है।

3. निर्धारिती द्वारा निम्नलिखित रूप में या उस पर उपर्योग व्यारे की रकम—

(i) आय और व्यय के विवरण में से विकसित पूँजीगत व्यय

(ii) आय और व्यय के विवरण में से विकसित व्यक्तिगत व्यय।

(iii) वायुयान और भोटर कारों का चालन और अनुरक्षण, जिसके अन्तर्गत किसी वायुयान, को चार्टर करने पर या भाड़े के लिये घलाई जाने वाली कारों को प्रधोग करने पर भाड़ा प्रभारों पर या कर्मचारियों को संदत्त सवारी भत्ते पर हाने वाला व्यय भी है।

(iv) होटलों को किया गया संदाय।

(v) यात्रा नियमके अन्तर्गत विदेश यात्रा भी है। आय-कर नियम, 1962 के नियम (6घ) में अधिकाधित सीमाओं से अधिक व्यय को दर्शात करें और फिलावय हुआ है, यह दर्शात करते हुए एक विवरण-संलग्न करें। विदेश यात्रा की दशा में व्यक्तियों के नामों की एक मूची भी संलग्न करें।

(vi) मनोरंजन, (जिसके अन्तर्गत कर्मचारी या अन्य व्यक्ति को दिये गये मनोरंजन भत्ते की रकम भी है)।

(vii) धारा 70 फफ में अधिकाधित सीमा से अधिक आय-कर अधिनियम, 1961 के अधीन किसी व्यक्ति के अवधारण से संबंधित किसी आयकर प्राधिकरण या अपील अधिकरण या किसी न्यायालय के समक्ष लंबित कार्यवाही।

(viii) व्यक्तियों को किये गये संदाय,

4. जहां निर्धारिती कोई फर्म है, वहां फर्म के भागीदारों को व्याज, बेतन बोनस, कमीशन या पारिश्रमिक के रूप में किये गये संदायों के बांगे दीजिए।

5. धारा 40क में निर्दिष्ट व्यय के व्यारे :—

(क) धारा 40क(2) (ख) में विनिर्दिष्ट व्यक्तियों को किये गये सभी संदायों की विशिष्टियां।

(ख) 2,500/- रुपए से अधिक के ऐसे संदाय की विशिष्टियां जो रेखांकित चैक या रेखांकित बैंक ड्राफ्ट में अन्यथा किया गया हो, धारा 40क (3)।

(ग) धारा 40क(5) (ग) में विनिर्दिष्ट सीमाओं से अधिक व्यय या भत्ते की विशिष्टियां।

(घ) उपदान के संदाय की व्यवस्था—धारा 40क(7)।

(इ) नियोजक के रूप में निर्धारिती द्वारा संदत्त राशि, जो धारा 40क(9) के अधीन अनुज्ञेय नहीं है।

(इ) ऐसा कोई कर, शुल्क या अन्य राशि को आय और व्यय के विवरण में से विकलित किये गये हैं, किन्तु पूर्व वर्ष के दौरान संदत्त नहीं किये गये हैं धारा—43ख।

(ii) पूर्व वर्ष के दौरान निर्धारिती द्वारा विये गये करों, शुल्कों आदि के व्यारे।

(iii) क्या संदायों की सम्बन्धित तारीखों और लेखा-पुस्तक में की विशिष्टियों में कोई अन्तर पाया गया है? यदि हां, तो उनकी विशिष्टियां दीजिए।"

[सं० 5963/फा सं० 142/30/84-टी पी एल
बी०डी० बखनकर, सचिव
केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर वार्ड

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

(Central Board of Direct Taxes)

NOTIFICATION NO. 5963 .

New Delhi, the 6th September, 1984

INCOME-TAX

S.O. 687(E).—The following draft of certain rules further to amend the Income-tax Rules, 1962, which the Central Board of Direct Taxes proposes to make in exercise of the powers conferred by section 295 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), is hereby published for the information of all persons likely to be affected thereby; and notice is hereby given that the said draft rules will be taken into consideration after the expiry of a period of thirty days from the date on which copies of the Gazette in which this Notification is published are made available to public.

Any objection or suggestion which may be received from any person with respect to the said draft rules before the expiry of the period so specified, will be considered by the Central Board of Direct Taxes.

DRAFT RULES

1. (1) These rules may be called the Income-tax (Amendment) Rules, 1984.

(2) They shall come into force on the 1st day of April, 1985.

2. In the Income-tax Rules, 1962,—

(a) after rule 6F, the following sub-heading and rule shall be inserted, namely:—

"CCC.—Reports of audit of accounts of persons carrying on business or profession

6G : (1) The report of audit of the accounts of a person required to be furnished under section 44AB shall,—

(a) in the case of a person who carries on business and who is required by or under any other law to get his accounts audited by an accountant, be in Form No. 3CA ;

(b) in the case of a person who carries on business, but not being a person referred to in clause (a), be in Form No. 3CB ;

(c) in the case of a person who carries on profession, be in Form No. 3CC.

(2) The particulars which are required to be furnished under section 44AB shall,—

(a) in the case of a person carrying on business, be in Form No. 3CD ;

(b) in the case of a person carrying on profession, be in Form No. 3CE." ;

(b) in Appendix, II, after Form 3C, the following Forms shall be inserted, namely:—

“FORM NO. 3CA

[See rule 6G(1)(a)]

Audit Report under section 44AB of the Income-tax Act, 1961 in a case where the accounts of the business of a person have been audited under any law by an accountant.

I have to report that the statutory audit of (name and address of the assessee)..... Permanent Account No..... was conducted by "me|Ms. chartered accountant|auditors of companies, in pursuance of the provisions of theAct, and I annex hereto a copy of *my|our audit report dated..... along with a copy each of the audited profit and loss account for the year ended on..... and a copy of the audited balance sheet as at.....along with the documents declared by the relevant Act to be part of, or annexed to, the profit and loss account and balance sheet.

A further report as required under the proviso to section 44AB prepared by me from the books of account and other documents of M/s..... is furnished in Form No. 3CD annexed hereto.

In my opinion and to the best of my information and according to explanations given to me, the particulars given in the said Annexure, are true and correct.

Place.....

Date.....

Signed

**Accountant

Notes :

1. *Delete whichever is not applicable.

2. Where any of the matters stated in this report is answered in the negative or with a qualification, the report shall state the reasons therefor.

3. **This report has to be given by—

(i) a chartered accountant within the meaning of the Chartered Accountant Act, 1949 (38 of 1949) ; or

(ii) any person who, in relation to any State, is, by virtue of the provisions of sub-section (2) of section 226 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), entitled to be appointed to act as an auditor of companies registered in that State.

FORM NO. 3CB

[See rule 6G(1)(b)]

Audit Report under section 44AB of the Income-tax Act, 1961 in the case of a person carrying on business

I have examined the balance sheet of

(name and address of the assessee)

(Permanent Account No.....) as at..... and the profit and loss account for the year ended on that date which are in agreement with the books of account maintained at the head office at..... and branches at.....

I have obtained all the information and explanations which to the best of my knowledge and belief were necessary for the purposes of the audit. In my opinion, proper books of account have been kept by the head office and the branches of the assessee so far as appears from my examination of books, subject to the comments given below:

In my opinion and to the best of my information and according to explanations given to me, the said accounts give a true and fair view—

(i) in the case of the balance sheet, of the state of the above named assessee's affairs as at....., and

(ii) in the case of the profit and loss account, of the profit or loss of the abovenamed assessee for the accounting year ending on.....

The prescribed particulars are furnished in Form No. 3CD annexed hereto. In my opinion and to the best of my information and according to explanations given to me, these are true and correct.

Place.....

Date.....

Signed
*Accountant

Notes :

1. Where any of the matters stated in this report is answered in the negative or with a qualification, the report shall state the reasons therefor.

2. *This report has to be given by—

- (i) a chartered accountant within the meaning of the Chartered Accountants Act, 1949 (38 of 1949); or
- (ii) any person who, in relation to any State, is, by virtue of the provisions of sub-section (2) of section 226 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), entitled to be appointed to act as an auditor of companies registered in that State.

FORM NO. 3CC

[See rule 6G(1)(c)]

Audit Report under section 44AB of the Income-tax Act, 1961 in the case of a person carrying on profession

I have examined the balance sheet of
(name and address of the assessee)

(Permanent Account No.) as at..... and the income and expenditure statement for the year ended on that date which are in agreement with the books of account maintained at the head office at and branches at.....

have obtained all the information and explanations which to the best of my knowledge and belief were necessary for the purposes of the audit. In my opinion proper books of account have been kept by the head office and the branches of the assessee so far as appears from my examination of books, subject to the comments given below :

In my opinion and to the best of my information and according to explanations given to me, the said accounts give a true and fair view—

(i) in the case of the balance sheet, of the state of the abovenamed assessee's affairs as at....., and

(ii) in the case of the income and expenditure statement, of the income or loss of the abovenamed assessee for the accounting year ending on.....

The prescribed particulars are furnished in Form No. 3CE annexed hereto. In my opinion and to the

best of my information and according to explanations given to me, these are true and correct.

Place.....
Date.....

Signed
*Accountant

Notes :

1. Where any of the matters stated in this report is answered in the negative or with a qualification, the report shall state the reasons therefor.

2. *This report has to be given by—

- (i) a chartered accountant within the meaning of the Chartered Accountants Act, 1949 (38 of 1949) : or
- (ii) any person who, in relation to any State, is, by virtue of the provisions of sub-section (2) of section 226 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), entitled to be appointed to act as an auditor of companies registered in that State.

FORM NO. 3CD

See rule 6G(2)(a)

STATEMENT OF PARTICULARS IN THE
CASE OF A PERSON CARRYING ON
BUSINESS

1. Books of account maintained.

2. Method of accounting employed. Indicate whether there is any change from the method of accounting employed in the immediately preceding previous year.

3. (i) Method of valuation of opening and closing stock-in-trade.

(ii) State whether there is any change in the method of valuation of any of the aforesaid items as compared to the method employed in the immediately preceding previous year.

(iii) If the answer to (ii) above is in the affirmative, specify the amount by which the profit or loss for the year has been affected by such change.

Note : In case of a dealer in goods, give quantitative details on the lines specified under the heading *Finished Products* in item 12 below

4. Amount of expenditure incurred by the assessee by way, or on,

- (i) Capital expenditure debited to the profit and loss account
- (ii) Personal expenses debited to the profit and loss account
- (iii) Advertisement, publicity and sales promotion outside India in respect of the goods, services or facilities which the assessee deals in or provides in the course of his business but excluding expenditure covered by items (v) and (vi) below

[rule II—का ३(ii))]

- (iv) Other advertisement, publicity and sales promotion
- (v) Articles presented or intended for presentation where expenditure on each such article is in excess of fifty rupees.
- (vi) Advertisement in any souvenir, brochure, tract, pamphlet or the like published by a political party
- (vii) Running and maintenance of motor cars in any branch, office or agency maintained outside India for promotion of the sale outside India of goods, services or facilities which the assessee deals in or provides in the course of his business
- (viii) Other expenditure on running and maintenance of aircraft and motor cars including expenditure on chartering any aircraft or on hire charges for engaging cars plied for hire or on conveyance allowance paid to employees and directors

Note : (1) In the case of a person engaged in the business of operation of aircraft, information in respect of expenditure incurred on running and maintenance of such aircraft need not be given.

(2) In the case of a person engaged in the business of running motor cars on hire, information in respect of expenditure incurred in running and maintenance of such motor cars need not be given.

- (ix) Payment to hotels

- (x) Travelling including foreign travel. Indicate separately the expenditure in excess of the limits laid down in rule 6D of the Income-tax Rules, 1962 and attach a statement showing how such expenditure has been arrived at. Also, attach a list of names of persons in case of foreign travel.
- (xi) Maintenance of accommodation in the nature of guest house. Indicate the depreciation in respect of the building used as a guest house and in respect of the assets in the guest house. Also indicate separately the amount received from persons using the guest house
- (xii) Entertainment (including the amount of entertainment allowance paid to any employee or other person)
- (xiii) Scientific research—Indicate separately expenditure of capital nature
- (xiv) Bonus or commission paid to employees. In respect of bonus paid to an employee employed in a factory or other establishment to which the provisions of the Payment of Bonus Act, 1965 apply, indicate whether the bonus paid exceeds the amount of bonus payable under that Act
- (xv) Payments made to clubs
- (xvi) Any proceedings before any income-tax authority or the Appellate Tribunal or any court relating to the determination of any liability under the Income-tax Act, 1961

in excess of the limit laid down in section 80VV

5. Where the assessee is a firm, details of payments by way of interest, salary, bonus, commission or remuneration to the partners of the firm.

6. Details of expenditure referred to in section 40A :

- (a) Particulars of all payments made to persons specified in section 40A(2)(b)
- (b) Particulars of payments in excess of Rs. 2,500 made otherwise than by a crossed cheque or crossed bank draft—section 40A (3)
- (c) Particulars of expenditure or allowance in excess of the limits specified in section 40A (5)(c)
- (d) Particulars of expenditure incurred by way of fees and salary to an ex-employee in excess of the limit specified in section 40A(6)
- (e) Provision for payment of gratuity—section 40A(7)
- (f) Sums paid by the assessee as an employer which are not allowable under section 40A(9)

7. (i) Any tax, duty or other sum debited to the profit and loss account but not paid during the previous year—section 43B

(ii) Details of taxes, duties, etc., paid by the assessee during the previous year

(iii) Whether any discrepancy has been noticed in the respective dates of payments and the entries in the books of account ? If so, give particulars thereof

8. Whether any amount is borrowed on a hundi form, or any amount due thereon (including interest on the amount borrowed) is repaid to, any person otherwise than through an account payee cheque ? If so, give details

9. (a) Particulars of proforma credits|drawback| refund of duties of customs or excise or refund of sales tax. Whether they have been credited to the profit and loss account?

(b) Particulars of expenditure|income of any earlier year debited|credited to the profit and loss account of the relevant previous year

(c) Particulars of any liability of a contingent nature debited to the profit and loss account.

10. Particulars of each loan or deposit of Rs. 10,000 or more taken or accepted by the assessee in the following form :

(i) Name and address of the lender|depositor

(ii) Whether amount borrowed on hundi ?

(iii) Whether loan|deposit account was squared up during the year ?

- (iv) Maximum amount outstanding at any time during the year
- (v) Whether loan/deposit was taken or accepted in cash?
- (vi) Has any loan or deposit of Rs. 10,000 or more been repaid in cash?

11. Whether the assessee has deducted tax at source and paid the amount so deducted to the credit of the Central Government in accordance with the provisions of Chapter XVII-B? If not, give details.

12. In case of manufacturing concerns,—

- (i) full quantitative details of principal items of raw materials and finished products as indicated below :

Raw Materials

- (a) Opening stock
- (b) Purchases during the year
- (c) Consumption during the year
- (d) Sales during the year
- (e) Closing stock
- (f) Yield of finished products
- (g) Percentage of Yield
- (h) Shortage

Finished Products

- (a) Opening stock
- (b) Purchases during the year
- (c) Quantity manufactured during the year
- (d) Sales during the year
- (e) Closing stock at the end of the year
- (f) Shortage and percentage thereof

Note : Separate quantitative details on the above lines should be given in respect of by-products, if any

13. In case of a company, give details of—

- (i) Any expenditure which has resulted directly or indirectly in the provision of any remuneration, benefit or amenity to (a) a director; (b) a person who has a substantial interest in the company; and (c) a relative of the director or of such person
- (ii) Any expenditure or allowance in respect of assets of the company used wholly or partly for the purposes of benefit of any of the persons referred to in (i) above (State whether any such person is an employee of the assessee or not)
- (iii) The amount of interest on deposits not allowable under section 40A(8)

FORM NO. 3CE

[Sec rule 6G(2) (b)]

STATEMENT OF PARTICULARS IN THE CASE OF A PERSON CARRYING ON PROFESSION

1. Books of account maintained.

2. Method of accounting employed. Indicate whether there is any change from the method of accounting employed in the immediately preceding previous year.

3. Amount of expenditure incurred by the assessee by way of, or on,—

- (i) Capital expenditure debited to the income and expenditure statement.
- (ii) Personal expenses debited to the income and expenditure statement.
- (iii) Running and maintenance of aircraft and motor cars including expenditure on chartering any aircraft or on hire charges for engaging cars plied for hire or on conveyance paid to employees.
- (iv) Payments of hotels.
- (v) Travelling including foreign travel. Indicate the expenditure in excess of the limit laid down in rule 6D of the Income-tax Rules, 1962 and attach a statement showing how such expenditure has been arrived at. Also, attach a list of names of persons in case of foreign travel.
- (vi) Entertainment (including the amount of entertainment allowance paid to any employee or other person).
- (vii) Any proceedings before any income-tax authority or an Appellate Tribunal or any court relating to the determination of any liability under the Income-tax Act, 1961 in excess of the limit laid down in section 80VV.
- (viii) Payments made to clubs.

4. Where the assessee is a firm, details of payment by way of interest, salary, bonus, commission or remuneration to the partners of the firm.

5. Details of expenditure referred to in section 40-A.

- (a) Particulars of all payments made to persons specified in section 40A(2) (b).
- (b) Particulars of payments in excess of Rs. 2,500 made otherwise than by a crossed cheque or crossed bank draft—section 40A(3).
- (c) Particulars of expenditure of allowance in excess of the limits specified in section 40A(5)(c).
- (d) Provision for payment of gratuity—section 40A(7).

(e) Sums paid by the assessee as an employer which are not allowable under section 40A(9).

6. (i) Any tax, duty or other sum debited to the income and expenditure statement but not paid during the previous year—section 43B.

(ii) Details of taxes, duties, etc., paid by the assessee during the previous year.

(iii) Whether any discrepancy has been noticed in the respective dates of payments and the entries in the books of account? If so, give particulars thereof."

[No. 5963 F. No. 142/30/84-TPL]

V. D. WAKHARKAR, Secy.
Central Board of Direct Taxes

